

[illegible]

रत्नागतामापनमथाशुनिगीनकुमुया॥दिनाल॥दिगामिमुद्रकावेना
 गसथान॥वज्रादिदेवका॥गधवेदेवका॥श्रुवायलीग्वरु॥सुतवाहन
 देवजाक॥उलगसुत्व॥कसुखालरुयरु॥सुथवाअइखाल॥उरुनः
 कुरु॥मपमासि॥धवनासजाकरुवमावाकाविद्याभामुसयू॥थनया
 नायकरुयू॥रागीस्वरुवा॥स्वयनसकायापु॥वंचलचिरु॥वानकसदा
 निड॥भामुयाकावनपुमादेवायू॥चककहवचद॥विदेगभसुसि॥वस

ASHA ARCHIVES

आशा मरुकाधि
ASHA ARCHIVES

1.143

वका॥स्यवका॥वनिजाल॥हेनाथमइ॥गमउकाकमिसायाकमिसा॥गु
 वयाकसदाविद्याथमसयाभामुइयू॥सकलगंपिया॥आलरुयाका
 काउसिदि॥अंजाविइका॥कलरुउवाइवकिवा॥पूजायायइयथअथ
 यू॥वाअरिननाहिसअल॥कनाकनायू॥अहुंअककुमायायू॥समस
 मननरुलथरु॥पियाकनामरु॥लरुकाकार्यइडा॥पुनधनमोकि
 वा॥गानाएवचन॥कायभावाधवू॥मववाधवपसव॥सिगागयइ

आथुविस्तरावा॥ ॥ किलविनमिखास ऊलसूया कास गयवकस
ऊस थुलिविन॥ ॥ स्वप्नानाविधि॥ आहव आत्मास कापमकल
नयु॥ धनुवाकपीर अकालस्येमु। अकिभा वदं १ वेसमदं १२ आलवा
धिदं १५ अमालवादे २१ असयारु य खाउ नवायुयारु यं स गमयारु
य वेवागदं ३२ का वयारु य निमिदिरुय १० कृषिवाग मिखायारु यदं ६३
कलसाभसजाल अकिभा लंयुरुयदं १० महाकडादखिरुयिगा॥ थुकिनः

रु ५

यकालममालकयारु माशु दन धर्म धारु पूजायाया॥ ऊलऊरु याय जीवपु
जा॥ मासायक दय कंवलिविप थुकिनभा निरुयदं १०२ मायुव किपुकि
कुरु अश्वनीनऊरु मादित्यवाल थुऊरु मूरु रुयु॥ १ ॥ रुऊरु नऊरु या॥
किगास॥ वाऊरु देवगा॥ यरु वा रु न माय जाक॥ गऊरु सल॥ धनुपीरु वरु
अगालऊरु॥ मषनामिपत्रिपूरु॥ धवरास वृव मायाकाखा निरुयु॥
लसिमरिद॥ गकिरिद॥ वृद्धिनिविधि॥ उवा दयक निमिदिसासुिनयु॥

वाचकसपिठानामा॥ आदि विविदि विद्यागुरुमामदा क्रियानिमिनिना॥ पवनदग
 अनिव॥ निधसुखि॥ भासुसवसा॥ भाकनयवैवा॥ एभाकचकी॥ वनवन
 कुरुगकमिदुसिल्लपवनदगममरु॥ वगिननक॥ विरुवंचन॥ पापन
 त्या॥ हरुवनन॥ बोलविरु॥ पसादिक॥ राजसवायायु॥ सकनसंख्यानि
 शानदुयाकाकाकसिद्धि॥ सननथिकज॥ धूलिसखाव॥ ॥ किलविन
 खवसयाकासुलसुसुलान्वाहासु॥ इदुसुखासुवेवाहाकसुविनधुनि

॥ स्वप्नानाविधि॥ ॥ आहारसमस्तंयव॥ पकाववाययुत्यवाधिः
 दंले कुरुविमालनायदं १० वृषया रुयदं २० गालकृषिवागदं ३२ वाचिका
 किनिपुषारुयदं १० असाँधुनिदियरुमसादं १२ म्वायुवा॥ कार्त्तिकशुक्रध
 नशूनकुरुवृद्धवाचरात्रिसमृत् ॥ अकालमृत्सुमानकयाक॥ सगुपूजा
 विथसजवनरुहामयाचके वलावननभाकिस्वस्तिन्नशनयाय॥ धुनि
 नकुकावमृत्सुनाम॥ २ ॥ ॥ १ कलिकानकडया॥ वदुमाहिं अंगानसिद्धि

वृक्षनमृत्सूत्रस्य निरिंशुं नकुलयास्तनरिं विंगनिमृदुसहस्रपदवना
 नमिदवनावेगभयनिदवना॥ कलिंगमधस्तनरिं॥ नृमिदुवाहाना॥
 नाकुसजाग॥ अगलसले॥ चक्रवर्ग॥ पूर्ववाचकलिगकुल॥ नृगभवक
 उपाद॥ सुकुलपाद॥ मषनामिपाद॥ वृषनामिपाद॥ ननसूनामा
 क॥ मधुविलोकवेषिनिपूजगुरु॥ उदुषावृद्धि॥ ससुवादि॥ कृद्विल॥ व
 दूमि॥ धर्मसूत्ररिं॥ नाकुसवक॥ देवदयकविना॥ स्यामसधुन॥ व

२१

ननायापसादिका॥ देवगुंमाकापिकामांनयाय॥ स्वरावत्रिका॥ नीलवक्त
 ककुवक्त॥ पद्मावक्त॥ धनकाधि॥ कृद्विल॥ पिपकाधि॥ धिवववन॥ मेनपी
 कि॥ कीकुकथा॥ नसाकं वयवमुनादिनकावा॥ मवृकनूधवाय॥ ववननपी
 ल॥ अकसरावा॥ ॥ निवथन॥ गीर्षहृल्ललान॥ कासयावास॥ ॥
 उवहानिरुयुक्तगानामिमिनिनइख॥ स्वप्रपत्रिका॥ नृमिद्वाला॥
 वनदवना॥ शकुनया॥ स्वासहयाथ॥ मलकिस्त्रिवा॥ दमननकावा॥

देवतासाधनत्रयप्रपन्निका॥ आहो नमो विष्णो जनसमस्तयवा ॥ ॥
श्रुतामृत्यु॥ कलत्रनिस्ताला मालस्था के॥ इंद नानावाधि। सा मंगया
रुयदं १८ कोल रुयमहायाधि। पारुस्या के २० ममुयाट २३ वी
लघाट २४ थुनि या वर्षनमूमा न कया न गरु चिदवायु॥ कारि
कमास। नाहिनी नर वृक्षवा न भवृक्षमृत्यु॥ श्रुतालमृत्युनिवा ननया
यन। श्रुती कर्मयाया प्रमुख दयकं वलिविया। पमस्तु न विविया॥ कर्म

रात्रविया धर्मधनु पूजायाय॥ इदं यत्र कस्मिन्ना कुरु॥ ह्यमया नकादा
इका॥ जागनपूजा॥ सहाय्यथुनिष्ठा क्रियु॥ ३ ॥ नाहिनी नर वृक्षया
श्रुतिनद्विनि संनस्तु दन न श्रुतवनमृत्यु वृक्षन उत्पत्ति वृहस्प
तिन० श्रुतालमृत्यु शुक्ल न कल्याणा पञ्चकाला। ना निधन न गुरुन॥
यजापानि देवता। रुद्रसा वाहानां माध्याकात॥ नागसत्वरुय रुव॥
सामवर्षु पीरुवर्षु॥ पूर्ववाया शुक्ल कुरु॥ वृषनामि॥ सर्वक देव

ना॥ क न सु मा जा क॥ व व न सु य दु य या प॥ प सा हि का॥ वा यि स य म
 स रा गि॥ धी न वा क॥ व दू मि रु व दू पु रु॥ म व न म द प र व॥ स ह द य
 स्था न स न य॥ म र्त्वि षा ख न स न य॥ मा म व वृ यु नू पू जा या ना क मा
 या य॥ का म ल ग ल॥ ग लु स य॥ व व व न॥ ध्या न स क म वा य म॥ धू वि
 स रा व॥ ॥ किल ध न॥ ग व ष क स॥ इ इ स र वा न स नू ग न स घा क
 स यु स स रु व न॥ ॥ स्व प्र प नि का वृ स लं स्व स उ र्वा स्व ण॥ थ व इ

सु ड र्वा हा नि क वा क वा रु॥ का य मा वा का य का न ल व न रा गी॥
 वा हा ल वि का॥ प का ल मृ त्पू र्द १॥ का ल वा धि॥ मृ ख पा क न॥ के थू स्था क
 मा ल ख न वा न था क॥ इ न हा य रु व द १॥ स प न वा थ द २०॥ स य म
 स घा ट मृ त्पू र्ख २१॥ अ प वा ल मृ त्पू र्ख आ का स न सि मा स्वा हा न न का टि
 नी रु य॥ धू वि न मृ त्पू र्ख द ३०॥ ख व ला ना न मृ त्पू र्ख॥ ध कि मृ त्पू म मा न
 क या क॥ उ पा य ल म्नी पू जा या य॥ का य व मु हा न वि य॥ सा इ इ प वा मृ

न चेत्यमहादेवपूजायाया। हामकर्मयावका। वल्ल्यात्रननयायकमामि
 पूजायां॥ थुनिनमृकालमृनाम। ६० म्वाय्थिंवायापूर्वरुडनकुरुमं
 गवानध्वकुरुमृत्तुदिन॥ ७ ॥ मृगमिमानकडया॥ वगावाहन॥ ६ वे
 जाक॥ नागसत्वा॥ गुरुलिं सिद्धिदय। वडुमहिं मृत्तुखं॥ थयाँहाव॥ ७
 नपाकमनक॥ पनाहा। आसुखा लहयरु। गुरुकुरु २ वडुकुरु २
 वगामिपा ६२ मृधूनगामिपा ६३॥ थुनिवगासवृवमावागी॥ नील

इयमप्युक्तकवि

1.143

वगावनिजा। लागीकवायसुनया॥ समस्तसयापतिरुहयूस्वयायाप
 सहाववन। लागीरुय। प्रसादिक। वडुमिह॥ वगानक ४॥ इवपूजा
 छाया। त्रिनिथिंमाचयायू॥ धर्मकार्यवय॥ धीलवील थुनिस्वराव
 ॥ ॥ किलेथान॥ गीर्वल्लानकुरुसुरुवस॥ थवदमगडहानि॥ पुन
 रुवसौमिसास्वराव॥ लेपुरुमिहानहवा॥ रुपसियारुयंरु॥ ग्य
 नापूर्वदि॥ स्वसव॥ पंदिरुहयंरु॥ कोधीरुवसूव॥ रुवगनीचरुय

नैविष नैविष रज्ज्वाहिदात्रिडस्य द्रुमस्य गन्धर्वनाविष ॥ ४ ॥
 अलासप्रयातकाडा, स्याद्विषाविषेकत्र, अंधीकननकाडा
 यान्नैविषकत्र, रज्ज्वाहिदात्रिडस्य द्रुमस्य गन्धर्वनाविष ॥ ५ ॥
 तन्नासिकगगविष ॥ ६ ॥ इन्द्रगानाहूकसर्ता, प्रप्रणानावद
 तिनी, शिनीनाडकलातावविषमलेपिगतायुष्या ॥ तन्नासिकगग
 विषा, मग्नप्रकाडा, कीमिडा, मिमाडा, नाजाडा, पुष्प
 हविषासुयायमपकाशरी ॥ ७ ॥ तन्निनीसहविषमलेपिगतायुष्या

[illegible]

प्रवाप्तिनामिण, एवमिष्टमिष्टमृदुष्व, अउत्रिष्टमिष्टमिष्ट
धर्ममिष्टमिष्टमृदुष्व ॥ १५ ॥ पत्रदमयामिष्टमिष्टमृदुष्व, अउत्रिष्टमिष्टमिष्ट
गति लाययामिष्टमिष्टमृदुष्व, पत्रना कयामिष्टमिष्टमृदुष्व ॥ १५ ॥
इ मांधीगाविश्वविद्या, अमीनला जनेविष, विषाणमिष्टमिष्टमृदुष्व
रीडमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्व ॥ १६ ॥ गाकार्त्तमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्व
डा, मृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्व, अमिष्टमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्व
मृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्व, मृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्वमृदुष्व

कनाताविषा ॥ १७ ॥ अनालासोहताविद्या निलेखस्य ह
ताजीया कुर्वितरुगर्गर्ग एवदासोहता नृपा ॥ १८ ॥
अनासमयादाडा स्याविद्या होत्रशत्रु निलेखित्येह
लयनदाडा मिशा होत्रशत्रु अनासपुसा पीतदाडा कु
होत्रशत्रु भोजीमहिद क्राना जा होत्रशत्रु ॥ १९ ॥ अनास
पुशानविद्योशा नहता नवपीदिग अर्धकातकूर्ततस्य नरु
वडा नहता ॥ २० ॥ अनासमयादाया काय विद्या स्यामस

यीडा सुनमशयीडा पीदिगमशयीडा गत्यमशरीरस्य
या कुरवडा मा मद्राजीत्यरवीदुहोडा निडा ॥ २१ ॥
मर्त्रीदीपकावडा प्रतातनविदीपकं शेलाकादीपकाध
र्म सुपुत्रकुरदीपका ॥ २२ ॥ राजीयांमतवडा दीनयाम
सुर्ग शेलाकयामतधर्म कुरयामत सुपुत्रकाय ॥ २३ ॥
अनासा पनताव जसुविद्या प्रयच्छति अर्धदाता हय
दना ववेगचितनहता ॥ २४ ॥ अनासमयादाया काय विद्या स्याम

पतिपात्राकम्, यमगविद्यासुष्टम्, नयमद्वन
 सु, नकाडागम्, सुगुयाकनरयनकायाकाडागम्, न
 थकाकम्, ववधयधर्कम् ॥ २० ॥ गुरुपत्नीगुरुपत्नी, मित्रप
 त्रीनल्येव, पत्नीमाता लमाताव, पर्वतमागनसृता ॥ ॥
 ॥ २१ ॥ गुरुयाकनराग, गुरुयाकनराग, लायमाग, थ
 डाकनरागयाग, थडागमाग, थकाकमागडागनिधय
 ॥ २१ ॥ लालयपर्ववर्धनि, दगवर्धनीमादय, सुगुयाकनराग

शर्वपूजामिर्मुमुक्षावला ॥ २२ ॥ भ्रात्राणां दादतास्तुर्द्धदत
 कथाय जिदमाग्रादतर्वहंत्यमान् जिमिषुददतडाडा का
 यडाववडा मिशरात्रर्ववावहानमायइती ॥ २२ ॥ लामनी
 वरुवादाषा गादनीवरुवागुना रास्मापुर्ववनिष्ठावतादय
 नमुनालयः ॥ २२ ॥ मवाणीधर्द्धदतकथायानन्मकचन
 कदावलाती अतीकानन अडाकार्यथशन सिष्यथशन

गादत्रपाडा श्रुतमात्र ॥ २२ ॥ लात्रगावहवादाध्यागादनाव
हवाठनागस्मापुर्ववासिष्यवगादयत्रउलालया ॥ २३ ॥ सा
वागावर्द्धदनेकोयात श्रुतकदाप्रगान गिषत्रपानश्रुतक
उतगाव श्रुतकोनरस कार्यथश्रुत गिष्यथश्रुत गादत्रपा
डा श्रुतमात्र ॥ २४ ॥ लात्रियासुथास्याता प्रगमयाकिंप्रथा
मन गावर्द्धोनादिनस्याता प्रगमयाकिंप्रथाश्रुत ॥ २५ ॥ परमम
पुन्रस्यो विद्यासाधनममनमदार्थिडा उदममदार्थिडा न

स्यामनवृद्धाडाडा निडा श्रुतमनवृद्धात श्रुतमनवृद्धातमाजिडा
श्रुतमनवृद्धातमाजिडा ॥ २६ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि
जाश्रुतमनवृद्धातमाजिडा ॥ २७ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि
॥ २८ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि ॥ २९ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि
निवयनसुमसुलोकाकनमोनायायीडा ॥ ३० ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि
तस्यमपत्यरागवाहक ॥ ३१ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि
॥ ३२ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि ॥ ३३ ॥ पुन्रमुविक्तिपेसाजनि

मङ्गलं. कामश्रुतासु रूपा. सायसुत्रसा. राजानं प्रजानं मान्य
यायीडा. प्रसुत्रकाडा. एतकव्यमात्रिडा. पतमाकात्रन
दितपतिगपय सुकाधक ॥ २० ॥ गनपुत्रियतां कल्लकिमाया
वेपुत्राकनं विक्रीयतां नर्घअली. गपवकीर्नविवजिन ॥ २५ ॥
गल्लयाकानं. गनसुपमङ्गलं. गनमसुत्रकाडा. प्रथागसुम
द. गीर्यभनसा. इहकाममङ्गलं. गपनकाखायकानं
काडामङ्गलं ॥ २७ ॥ ननसा एतनत्रपं. नपसा एतनत्रपं.

गूनसा एतनत्रपं. गपनसा एतनत्रपं ॥ २१ ॥ मन्कयात्रा
एतनत्रपं. नप. नपयाति साशनं. गन. गूनयाति साशनं. गपन
याति साशनं ॥ २१ ॥ गनपुत्रसिमात्रपं. गनपुत्रसिमात्रपं
न. सिमात्रसिमात्रविद्या. गनपुत्र गीलपुत्रसिमात्रपं. सिमात्र
पुत्रसिमात्रविद्या. गनपुत्रसिमात्रपं ॥ २८ ॥ नपसिमात्रपुत्र
सिमात्रपुत्रसागव. विद्यासिमात्रपुत्र. धनरीन. दन. हकना ॥ ॥
॥ २८ ॥ नपनसा एतनत्रपं. नपनसा एतनत्रपं. नपसिमात्रपुत्र